दैनिक नवज्योति
5 मई 2015

देवनारायण योजना में अब तक 445 करोड़ खर्च

तीन मंत्रियों ने की योजना की प्रगति की समीक्षा

ब्यूरो/नवज्योति, जयपुर

देवनारायण बालिका आदर्श छात्रावास अजमेर को विद्यालय स्तरीय से कॉलेज स्तरीय छात्रावास तथा अलवर में कॉलेज स्तरीय बालिका छात्रावास के भवन निर्माण के लिए राजकीय गौरी देवी महिला महाविद्यालय अलवर परिसर में भूमि आवंटन के लिए अलवर कलेक्टर के प्रस्तावानुसार निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग की ओर से एन.ओ.सी. जारी की जाएगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी एवं खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हेमसिंह भड़ाना ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा कर देवनारायण योजना की प्रगति की सोमवार को सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन में समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि देवनारायण योजना के क्रियान्वयन में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी एवं योजनाओं को समयबद्ध तरीके से प्रभावी ढंग से पूरा किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि देवनारायण योजनान्तर्गत अब तक 445 करोड़ रु. का व्यय हो चुका है। वर्ष 2014-15 में 121 करोड़ रु. का व्यय हुआ है, जिसमें 60 करोड़ रु. का व्यय विशेष पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक योजना पर एवं 7.50 करोड़ रु. का व्यय विशेष पिछड़ा वर्ग पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना पर हुआ है।

शर्तों में बदलाव के निर्देश

बैठक में गुरुकुल योजना के लिए निर्देशों में संशोधन कर पात्रता शर्तों में बदलाव किए जाने के निर्देश दिए गए ताकि जिलों में अधिकांश स्कूलों का चयन हो सके। बैठक में बताया गया है कि स्कूटी वितरण योजना में 4.33 करोड़ रु. का व्यय हुआ है। बैठक में सामाजिक [illegible] अधिकारिता विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुदर्शन सेठी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक ओमप्रकाश कुमार, माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक सुआलाल सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

डेली न्यूज
5 मई 2015

ये होंगे पांच समूह

राठौड़ ने बताया कि पहले समूह में गृह मंत्री गुलाबचंद कटारिया, उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ, शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी और पंचायतराज व पीडब्ल्यूडी मंत्री युनूस खान होंगे। दूसरे समूह में चिकित्सा मंत्री राजेन्द्र राठौड़, जलदाय मंत्री किरण मीणा, ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राज्यमंत्री सुरेन्द्र गोयल, सहकारिता मंत्री अजयसिंह किलक और राजस्व राज्यमंत्री अमराराम होंगे। तीसरे समूह में कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री अरुण चतुर्वेदी, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री अनीता भदेल और खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री हेम सिंह भडाना है। चौथे समूह में उद्योग मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, कारागृह विकास राज्यमंत्री राजपाल सिंह शेखावत, पर्यटन राज्यमंत्री कृष्णेन्द्र कौर दीपा और कृषि राज्यमंत्री सुरेन्द्रपाल सिंह टीटी हैं। पांचवें समूह में जलदाय मंत्री किरण माहेश्वरी, जनस्वास्थ्य मंत्री डॉ. रामप्रताप और खान मंत्री राजकुमार रिणवा होंगे।

राष्ट्रदूत
5 मई 2015

देवनारायण योजना की समीक्षा

जयपुर (का.सं.)। देवनारायण योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सोमवार को यहां सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन में हुई। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री, राजेन्द्र सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी एवं खाद्य मंत्री हेमसिंह भडाना ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा कर देवनारायण योजना की प्रगति की समीक्षा की।

पंजाब केसरी

5 मई 2015

गुरुकुल योजना की शर्तों में होगा बदलाव

समीक्षा बैठक

धन की नहीं आएगी कमी

जयपुर, (कासं): देवनारायण योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सोमवार को सचिवालय स्थित मंत्रालय भवन में हुई। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र सिंह राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. अरुण चतुर्वेदी और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री हेमसिंह भड़ाना ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ चर्चा कर देवनारायण योजना की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि देवनारायण योजना के क्रियान्वयन में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी एवं योजनाओं को समयबद्ध तरीके से प्रभावी ढंग से पूरा किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि देवनारायण योजनान्तर्गत अब तक 445 करोड़ रुपए का व्यय हो चुका है। वर्ष, 2014-15 में 121 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है, जिसमें 60 करोड़ रुपए का व्यय विशेष पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक योजना पर एवं 7.50 करोड़ रुपए का व्यय विशेष पिछड़ा वर्ग पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना पर हुआ है। बैठक में गुरुकुल योजना के दिशा निर्देशों में संशोधन कर आवश्यक शर्तों में बदलाव किए जाने के निर्देश दिए गए ताकि जिलों में अधिकांश स्कूलों का चयन हो सके। बैठक में बताया गया कि स्कूटी वितरण योजना में 4.38 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है।

समीक्षा बैठक में देवनारायण बालिका आदर्श छात्रावास अजमेर को विद्यालय स्तरीय से कॉलेज स्तरीय छात्रावास किए जाने की सहमति दी गई। इसके अतिरिक्त अलवर में कॉलेज स्तरीय बालिका छात्रावास के भवन निर्माण के लिए राजकीय गौरी देवी महिला महाविद्यालय अलवर परिसर में भूमि आवंटन के लिए जिला कलेक्टर, अलवर के प्रस्तावानुसार निदेशक कॉलेज शिक्षा विभाग की ओर से एन.ओ.सी. जारी करने का निर्णय लिया गया।